HISTORY(H)

B.A. – III PART–'A'

PAPER – IVth.

HISTORY OF INDIA (1550–1750)

UNIT-6th- cultural development.

B. Architecture.

वास्तु कला

मुगल वास्तु कला 16वीं, 17वीं, 18वीं सदी में भारतीय उपमहाद्वीप में अपने साम्राज्य की सीमा हमेशा बदलने वाली सीमा में मुगलों द्वारा विकसित भारत-इस्लामी वस्तुकला का प्रकार है। इसमें इस्लामिक, फारसी, तुर्किक और भारतीय वस्तु कला का एक मिश्रण के रूप में भारत में पहले मुस्लिम राजवंशों की शैलियों का विकास किया। मुगल इमारतों की संरचना और चरित्र का एक समान पैटर्न होता है। जिसमें बड़े बल्बस डोम्स, कोनों में पतले मीनार, बड़े पैमाने पर हॉल, बड़े वॉल्ट वाले गेट वे और नाजुक आभूषण शामिल है। शैली के उदाहरण, भारत, अफगानिस्तान, बंगलादेश और

पाकिस्तान में पाये जाते हैं।
मुगल वंश 1526 में पानीपत में बाबर की जीत के बाद स्थापित किया गया था। अपने पाँच साल के शासन काल के दौरान, बाबर ने भवनों को बनाने में काफी दिलचस्पी ली, हालांकि कुछ बच गये। उनके पोते अकबर ने व्यापक रूप से निर्माण किया, और शैली अपने शासन काल के दौरान जोरदार ढंग से विकसित हुई। उनकी उपलब्धियों में हुमायूँ का मकबरा (उनके पिता के लिए), आगरा किला, फतेहपुर सीकरी का किला शहर और बुलन्द दरवाजा था। अकबर के बेटे जहांगीर ने कश्मीर में शालीमार गार्डन को चालू कर दिया।
मुगल वास्तु कला शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान अपने चरम पर पहुँच गई, जिन्होंने लाहौर में शालीमार गार्डन व जामा मस्जिद, लाल किले का निर्माण किया। उनका शासनकाल मुगल वास्तु कला और साम्राज्य के पतन से मेल खाता था।

Scanned with CamScanner

⇒ स्मारक :-

— आगरा किला :—

आगरा किला आगरा, उत्तरप्रदेश में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। आगरे किला का प्रमुख हिस्सा अकबर द ग्रेट द्वारा 1565 ई० के दौरान 1574 ई० तक बनाया गया था। किले की वास्तुकला स्पष्ट रूप से राजपूत योजना और निर्माण के सुवत ओद लेने का संकेत देती है। किले में कुछ महत्वपूर्ण इमारतें जहांगीरी महल जहांगीर और उनके परिवार मोती मस्जिद और मीना बाजार के लिए बनाई गई। जहांगीर महल एक प्रभावशाली संरचना है इसमें दो मंजिला हॉल और कमरे से घिरा हुआ आंगन है।

सम्राट हुमायूं की विधवा हामिदा बानो बेगम ने एक बड़ी दीवार वाली मुगल उद्यान के केन्द्र में दिल्ली में अपनी मकबरा बनाई। इसे अक्सर मुगल वास्तुकला का पहला परिपक्व उदाहरण माना जाता है।

Page No.:
Date:

⇒ **फतेहपुर सिकरी :**

अकबर की सबसे बड़ी वास्तुशिल्प उपलब्धि फतेहपुर सिकरी, आगरा के पास एक राजधानी और जैन तीर्थ केन्द्र के रूप में राजधानी शहर का निर्माण था। दीवार वाले शहर का निर्माण 1569 ई० में शुरु किया गया था और 1574 ई० में पूरा हुआ।

इसमें कुछ सबसे खूबसूरत इमारतें - धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष दोनों शामिल थी जो सम्राट के सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक एकीकरण को प्राप्त करने के उद्देश्य को प्रमाणित करते थे। मुख्य धार्मिक भवन विशाल जामा-मस्जिद और सलीम चिश्ती के छोटे मकबरे थे। बुलंद दरवाजा को गुजरात और दक्कन पर अपनी जीत मनाने के लिए 1576 में अकबर के द्वारा बनाया गया था। यह 40 मीटर ऊँचा है और जमीन से 50 मीटर दूर है। संरचना की कुल ऊँचाई जमीन के स्तर से लगभग 54 मीटर है।

फतेहपुर सीकरी में शाही से संगिलओं हरमा सरा एक विशा

स्रोत था। जहाँ शाही महिलायें
रहते थे। हर महल का उद्घाटन
ख्वाबगाह पक्ष में क्वॉर्टर की
पंक्ति से अलग होता है। अबुल
फजल के मुताबिक आइन-ए-अकबरी
में हरम के अंदर वरिष्ठ और
सक्रिय महिलाओं द्वारा संरक्षित
किया गया था, न जाकि के
घेरे के बाहर और सचिव इसी
पर वफादार राजपूत गार्ड थे।

To be continued.
DR. UDAY KUMAR
DR. L.K.V.D. College, Tajpur